नमीं चेतना बारै

क्र.	अंक	म्हीना	विशे सूची	
87.	113-114		त्रिप-त्रिप चेते : इक अदबी जायज़ा (लेख)	- छत्रपाल
		जुलाई-दिसम्बर	दर्द (कविता)	- ओ.पी. शर्मा सारथी
		1995	औंसी (कविता)	- शक्ति शर्मा
			घड़ा (कविता)	- सुरिन्द्र सिंह 'मन्हास'
			उड्डी जंदे पैंछिया (कविता)	- गिरधारी लाल 'राही'
			पुच्छी लै (कविता)	- कर्ण वज़ीर
			सलामती (क्हानी)	- वेद राही
			गज़ल	- चम्पा शर्मा
			गज़ल	- वीरेन्द्र केसर
			गज़ल	- श्याम रैणा
			' कच ' नाटक फरोल ते परचोल (लेख)	- वीणा गुप्जा
			गज़ल	- तृप्ता
			संस्कार (कविता)	- रवि शंकर शर्मा
			जदूं कदें मन दोआस होआ (कविता)	- आशुतोष सलाथिया
			डुग्गर देश (कविता)	- पं. मुकुन्द राम नागर
			काले न्हेरे (कविता)	- निर्मल विक्रम
			अन्तिम (क्हानी)	- शकुन्तला शर्मा 'बीरपुरी'
			गज़ल	- रत्न ' दोषी '
			गज़ल	-शकुन्त ' दपीमाला '